कृषि शोध अनुसंधान की जानकारी साझा करने के लिए एमओयू

बीकानेर @ पत्रिका. कृषि के क्षेत्र में राष्ट्रीय -अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए शोध, अनुसंधान, रिसर्च पेपर सहित विभिन्न जानकारियां साझा करने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से इनफॉरमेशन एवं लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर (यूजीसी) गांधीनगर के साथ एमओयू किया गया है।

एसकेएआरयू के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. चेतन राजपुरोहित ने बताया कि इस एमओयू के माध्यम से विश्वविद्यालय को इनफॉरमेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क में उपलब्ध विभिन्न सूचना संसाधनों का प्रत्यक्ष लाभ मिल सकेगा। इन सूचना स्त्रोतों का उपयोग कर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य तथा शोध विद्यार्थी नई जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

कुलगुरु डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि इस समझौते से विद्यार्थियों को शोध कार्यों के विभिन्न आयामों की जानकारी जुटाने में भी मदद मिलेगी। वहीं शोध में नकल रोकने तथा विश्वविद्यालय के सदस्यों के नाम एक्सपर्ट पैनल में शामिल करने के लिए नया मार्ग प्रशस्त होगा । उन्होंने बताया कि संकाय सदस्यों को ई रिसोर्स के उपयोग के साथ-साथ ट्रेनिंग भी मिल सकेगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान सम्पन्न

35 हजार किसानों को उन्नत कृषि, तकनीक और नवाचार की दी जानकारी

लूणकरणसर केवीके में विशेष कार्यक्रम आयोजित

रायसिंह राव

लूणकरनसर। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत जिले में 35 हजार से अधिक किसानों को खेती के नवीनतम अनुसंधान, तकनीक तथा नवाचारों की जानकारी देते हुए आगामी खरीफ फसलों से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारियां साझी की गई। 15 दिन चले इस अभियान में कृषि विज्ञान केंद्रों और कृषि अनुसंधान संस्थानों तथा कृषि विभाग से जुड़े अधिकारियों की संयुक्त टीमों के सहयोग से जिले के विभिन्न क्षेत्रों के 60 गाँवों में किसानों से संवाद किया गया। अभियान के आखिरी दिन कृषि विज्ञान केंद्र, लूणकरणसर, में कृषि वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों द्वारा किसानों का फीडबैक लेने तथा उनकी आवश्यकताओं को समझने हेतु एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अरुण कुमार, भा.कृ.अनु.प.ङ्केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर के निदेशक;डॉ. जगदीश राणे, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआरसीआईएएच, बीकानेर डॉ. एस. आर. मीणा, तथा प्रसार शिक्षा निदेशालय के उपनिदेशक डॉ. राजेश वर्मा सहित कृषि विज्ञान केंद्र, बीकानेर के के डॉ. आर. के. शिवरान, भगवत सिंह खेरावत सहित सहायक कृषि अधिकारियों, कृषि पर्यवेक्षको ने किसानों के साथ संवाद किया। इस दौरान किसानों की जमीनी समस्याओं को समझते हुए, वैज्ञानिक तरीकों व कृषि अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर कुलगुरु डॉ अरुण कुमार ने कहा कि कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किए गए इस अभियान का लाभ निश्चित ही किसानों को अपनी खेती में मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय और अन्य कृषि अनुसंधान संस्थान प्रतिबद्धता के साथ किसानों को उन्नत कृषि से जोड़ने के लिए तत्पर है।

कार्यक्रम में अन्य आईसीएआर संस्थानों से संबंधित वैज्ञानिक, रूपचंद, डॉ. लालू प्रसाद यादव, डॉ. लालचंद गोदारा, डॉ. मितुल बुंबडिया एवं डॉ. विश्वरंजन उपाध्याय उपस्थित रहे।

विभिन्न केवीके द्वारा कार्यक्रम आयोजित

विश्वविद्यालय के विभिन्न के.वी.के और अन्य संस्थाओं की संयुक्त टीमों द्वारा लूणकरणसर ब्लॉक के सैहनीवाला एवं फूलदेसर गाँवों में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, लूणकरणसर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर. के. शिवरान ने अभियान की रुपरेखा बताई तथा बीकानेर क्षेत्र फसलों, वैज्ञानिक पद्धतियाँ एवं तकनीकी उपायों को विस्तार से समझाया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर के वैज्ञानिक डॉ. लाल चंद कुमार ने खजूर, बेर, अनार, बेल, आँवला, काचरी, ककड़ी, खरबूजा एवं खेजड़ी जैसे शुष्क क्षेत्रीय फलों एवं सब्जियों की उन्नत किस्मों, उत्पादन तकनीक, नर्सरी प्रबंधन तथा जल और पोषक तत्वों के कुशल प्रबंधन पर वैज्ञानिक जानकारी साझा की। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र, बीकानेर के वैज्ञानिक डॉ. मितुल बुंबडिया ने नवाचार-आधारित डेयरी व्यवसाय पर व्याख्यान दिया। कृषि पर्यवेक्षक देवदत्त बिश्नोई ने किसानों को कृषि एवं उद्यानिकी से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं, उनके लाभ तथा आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। सहनीवाला के प्रगतिशील किसान आत्माराम ने गाँव में पहला पॉलीहाउस स्थापित करने की अपनी सफलता की कहानी साझा की।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का सम्मान

15 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 35 हजार से अधिक किसानों से किया संपर्क

लूणकरणसर। विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत 29 मे से 12 जून के 15 दिन के अन्तराल में कृषि विज्ञान केंद्र लूणकरणसर ने अन्य संस्थानों की टीमों के सहयोग से बीकानेर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के 60 गाँवों में पहुँच बनाकर 35,000 से अधिक किसानों से संपर्क किया। दिनांक 12 जून 2025 को कृषि विज्ञान केंद्र लूणकरणसर बीकानेर में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत सभी सहायक कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक एवं किसानों के साथ फीडबैक सत्र एवं उनकी आवश्यकताओं को समझने हेतु एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार कुलपति स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर, डॉ जगदीश राणे निदेशक भा.कृ.अनु.प. केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान बीकानेर, डॉ एसआर मीणा प्रधान वैज्ञानिक आईसीएआर सीआईएएच बीकानेर तथा डॉ राजेश वर्मा उप निदेशक (प्रसार),डॉ आरके शिवरान,भगवत सिंह खेरावत कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर ने सहायक कृषि अधिकारियों, कृषि पर्यवेक्षकों एवं किसानों के साथ संवाद स्थापित किया। उन्होंने किसानों की जमीनी समस्याओं को समझते हुए भविष्य की कृषि अनुसंधान गतिविधियों को समस्या-आधारित एवं समाधान-केंद्रित बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इसी कार्यक्रम में अन्य आईसीएआर संस्थानों से संबंधित वैज्ञानिक रूपचंद,डॉ लालू प्रसाद यादव, डॉ लालचंद गोदारा, डॉ मितुल बुंबडिया एवं डॉ विश्वरंजन उपाध्याय भी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त इसी दिन केवीके बीकानेर की विभिन्न टीमों एवं अन्य भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के वैज्ञानिकों द्वारा लूणकरणसर ब्लॉक के सहनीवाला एवं फूलदेसर गाँवों में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान से जुड़े विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने भाग लेकर उन्नत कृषि तकनीकों, नवीनतम नवाचारों और सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कृषि विज्ञान केंद्र लूणकरणसर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरके शिवरान ने किसानों को संबोधित करते हुए अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को इस योजना के अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया तथा बीकानेर के शुष्क क्षेत्रों के लिए उपयुक्त फसलों,फलों एवं सब्जियों की उन्नत किस्मों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक अनुकूल परिस्थितियाँ, वैज्ञानिक पद्धतियाँ एवं तकनीकी उपायों को भी विस्तार से समझाया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान बीकानेर के वैज्ञानिक डॉ लाल चंद कुमार ने खजूर, बेर, अनार, बेल, आँवला, काचरी, ककड़ी, खरबूजा एवं खेजड़ी जैसे शुष्क क्षेत्रीय फलों एवं सब्जियों की उन्नत किस्मों, उनके उत्पादन तकनीक, नर्सरी प्रबंधन तथा जल और पोषक तत्वों के कुशल प्रबंधन पर वैज्ञानिक जानकारी साझा की।

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र बीकानेर के वैज्ञानिक डॉ. मितुल बुंबडिया ने नवाचार-आधारित डेयरी व्यवसाय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने दूध एवं दुग्ध उत्पादों के माध्यम से लाभकारी व्यवसाय स्थापित करने हेतु नवीन तकनीकों, मूल्य संवर्धन और विपणन रणनीतियों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कृषि पर्यवेक्षक देवदत्त बिश्नोई ने किसानों को कृषि एवं उद्यानिकी से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं, उनके लाभ तथा आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देकर जागरूक किया। कार्यक्रम में सहनीवाला गाँव के प्रगतिशील किसान आत्माराम ने भी अपनी प्रेरणादायक सफलता की कहानी साझा की। उन्होंने गाँव में पहला पॉलीहाउस स्थापित किया, जिसमें अर्ध-शुष्क क्षेत्र के अनुकूल फसलों, फलों एवं सब्जियों का उत्पादन कर नवाचारपूर्ण एवं सतत खेती के माध्यम से उल्लेखनीय लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्र के अन्य प्रगतिशील किसानों ने भी अपने अनुभव साझा किए, जिससे अन्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा नवाचारों से लाभ अर्जित करने की प्रेरणा प्राप्त हुई।

35 हजार किसानों को उन्नत कृषि, तकनीक और नवाचार की दी जानकारी

बीकानेर @ पत्रिका. विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत जिले में 35 हजार से अधिक किसानों को खेती के नवीनतम अनुसंधान, तकनीक तथा नवाचारों की जानकारी देते हुए आगामी खरीफ फसलों से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारियां साझी की गई। 15 दिन चले इस अभियान में कृषि विज्ञान केंद्रों और कृषि अनुसंधान संस्थानों तथा कृषि विभाग से जुड़े अधिकारियों की संयुक्त टीमों के सहयोग से जिले के विभिन्न क्षेत्रों के 60 गांवों में किसानों से संवाद किया गया। अभियान के आखिरी दिन कृषि विज्ञान केंद्र लूणकरणसर में कृषि वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों की ओर से किसानों का फीडबैक लेने तथा उनकी आवश्यकताओं को समझने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अरुण कुमार, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर के निदेशक डॉ. जगदीश राणे, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीआईएएच डॉ. एस. आर. मीणा, प्रसार शिक्षा निदेशालय के उपनिदेशक डॉ. राजेश वर्मा सहित कृषि विज्ञान केंद्र, बीकानेर के डॉ. आर. के. शिवरान, भगवत सिंह खेरावत सहित सहायक कृषि अधिकारियों, कृषि पर्यवेक्षको ने किसानों के साथ संवाद किया। किसानों की जमीनी समस्याओं को समझते हुए, वैज्ञानिक तरीकों व कृषि अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध होंगे विश्वविद्यालय के शोध

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। कृषि के क्षेत्र में राष्ट्रीय -अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए शोध, अनुसंधान, रिसर्च पेपर सहित विभिन्न जानकारियां साझा करने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इनफॉरमेशन एवं लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर गांधीनगर के साथ एमओयू किया गया है। एसकेएआरयू के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ चेतन राजपुरोहित ने बताया कि इस एमओयू के माध्यम से विश्वविद्यालय को इनफॉरमेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क में उपलब्ध विभिन्न सूचना संसाधनों का प्रत्यक्ष लाभ मिल सकेगा। इन सूचना स्त्रोतों का उपयोग कर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य तथा शोध विद्यार्थी नई जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। कुलगुरु डॉ अरुण कुमार ने बताया कि इस समझौते से विद्यार्थियों को शोध कार्यों के विभिन्न आयामों की जानकारी जुटाने में भी मदद मिलेगी। वहीं शोध में नकल रोकने तथा विश्वविद्यालय के सदस्यों के नाम एक्सपर्ट पैनल में शामिल करने के लिए नया मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने बताया कि संकाय सदस्यों को ई रिसोर्स के उपयोग के साथ-साथ ट्रेनिंग भी मिल सकेगी। ई जनरल्स, ई बुक्स, रिसर्च हाइलाइट्स, कॉन्फ्रेंस प्रोसिडिंग्स सहित अन्य जानकारियां ऑनलाइन ली जा सकेंगी। एम ओ यू के माध्यम से विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के शोध ग्रंथ राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध रहेंगे। शोधगंगा, शोध गंगोत्री, ई पाठशाला, विशेषज्ञ पैनल के माध्यम से विश्वविद्यालय के सूचना स्त्रोतों का राष्ट्रीय स्तर पर उपयोग हो सकेगा।

किसानों को दी उन्नत कृषि, तकनीक और नवाचार की जानकारी

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत जिले में 35 हजार से अधिक किसानों को खेती के नवीनतम अनुसंधान, तकनीक तथा नवाचारों की जानकारी देते हुए आगामी खरीफ फसलों से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारियां साझी की गई। 15 दिन चले इस अभियान में कृषि विज्ञान केंद्रों और कृषि अनुसंधान संस्थानों तथा कृषि विभाग से जुड़े अधिकारियों की संयुक्त टीमों के सहयोग से जिले के विभिन्न क्षेत्रों के 60 गाँवों में किसानों से संवाद किया गया। अभियान के आखिरी दिन कृषि विज्ञान केंद्र, लूणकरणसर, में कृषि वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों द्वारा किसानों का फीडबैक लेने तथा उनकी आवश्यकताओं को समझने हेतु एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अरुण कुमार, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर के निदेशक डॉ. जगदीश राणे, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीआईएएच, बीकानेर डॉ. एस. आर. मीणा, तथा प्रसार शिक्षा निदेशालय के उपनिदेशक डॉ. राजेश वर्मा सहित कृषि विज्ञान केंद्र, बीकानेर के डॉ. आर. के. शिवरान, भगवत सिंह खेरावत सहित सहायक कृषि अधिकारियों, कृषि पर्यवेक्षको ने किसानों के साथ संवाद किया। इस दौरान किसानों की जमीनी समस्याओं को समझते हुए, वैज्ञानिक तरीकों व कृषि अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अन्य आईसीएआर संस्थानों से संबंधित वैज्ञानिक, रूपचंद, डॉ. लालू प्रसाद यादव, डॉ. लालचंद गोदारा, डॉ. मितुल बुंबडिया एवं डॉ. विश्वरंजन उपाध्याय उपस्थित रहे।

प्रगतिशील किसानों से साझा किए अनुभव

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर के वैज्ञानिक डॉ. लाल चंद कुमार ने खजूर, बेर, अनार, बेल, आँवला, काचरी, ककड़ी, खरबूजा एवं खेजड़ी जैसे शुष्क क्षेत्रीय फलों एवं सब्जियों की उन्नत किस्मों, उत्पादन तकनीक, नर्सरी प्रबंधन तथा जल और पोषक तत्वों के कुशल प्रबंधन पर वैज्ञानिक जानकारी साझा की।राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र, बीकानेर के वैज्ञानिक डॉ. मितुल बुंबडिया ने नवाचार-आधारित डेयरी व्यवसाय पर व्याख्यान दिया। कृषि पर्यवेक्षक देवदत्त बिश्नोई ने किसानों को कृषि एवं उद्यानिकी से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं, उनके लाभ तथा आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। सहनीवाला के प्रगतिशील किसान आत्माराम ने गाँव में पहला पॉली हाउस स्थापित करने की अपनी सफलता की कहानी साझा किये।